समाचार

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

तम्बाकू निषेध के प्रति जनजागरूकता का प्रसार आवश्यक–अपर आयुक्त

(निगम कार्यालय साकेत भवन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित हुई गोष्ठी एवं कार्यशाला)

कोरबा 31 मई 2019 –अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा ने आज कहा है कि तम्बाकू उत्पादों का सेवन रोकने के लिए व्यापक रूप से जनजागरूकता का प्रसार किया जाना आवश्यक है, केवल गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन कर हम चुप नही बैठ सकते, बल्कि इस दिशा में हमे निरंतर प्रयास करना होगा, तम्बाकू सेवन करने वालों को इसके सेवन से होने वाली हानियां एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों से अवगत कराना होगा।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपर आयुक्त अशोक शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.बी.बोडे, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, जिला प्रोग्रामर मेनेजर पदमाकर शिन्दे, सिटी प्रोग्रामर मेनेजर अशोक सिंह, जिला सलाहकार विनोद पटेल, स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के.सारस्वत, डॉ.संजय तिवारी, कार्यपालन अभियंता एम.एन.सरकार, आर. के. चौबे, भूषण उरांव, कार्यालय अधीक्षक एस.सी.जैन, नासिर सईद आदि के साथ निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा डॉ.बी.बी.बोडे ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी रूप में तम्बाकू का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, तम्बाकू का सेवन केवल सेवन करने वाले व्यक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि उसके परिवारजनों, बच्चों एवं संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए हानिकारक है। उन्होने बताया कि एक सिगरेट में 7000 तत्व ऐसे होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, वहीं 69 तत्व ऐसे हैं जो लंग कैंसर पैदा करते है, मुहं कैंसर का सबसे बड़ा कारण तम्बाकू, गुटका आदि को चबाना है, निश्चित रूप से तम्बाकू का सेवन अत्यंत घातक है। इस अवसर पर जिला प्रोग्रामर मेनेजर पदमाकर शिन्दे ने बताया

कि जो व्यक्ति तम्बाकू का सेवन छोड़ना चाहते हैं किन्तु छोड़ नहीं पा रहे हैं, वे जिला अस्पताल कोरबा के कमरा नंबर 112 में संपर्क कर सलाह एवं इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

होने वाली पांच मौतों में एक मौत तम्बाकू से – कार्यशाला के दौरान तम्बाकू से होने वाली हानियों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों, पैदा होने वाली बीमारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत की गई। सिटी प्रोग्राम मेनेजर अशोक सिंह ने जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि होने वाली प्रत्येक पांच मौतों में एक मौत तम्बाकू सेवन के कारण होती है, हर साल करीब 50 लाख मौतें तम्बाकू के सेवन से होती है। उन्होने बताया कि 06 लाख मौतें प्रतिवर्ष पैसिव स्मोकिंग होती है, छत्तीसगढ़ प्रदेश में तम्बाकू सेवन से वर्तमान में 28 हजार व्यक्ति कैंसर से पीड़ित हैं तथा प्रदेश में 16 प्रतिशत छात्र तम्बाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। उन्होने बताया कि तम्बाकू में निकोटिन, बैंजीन, फार्मल्डिहाइड, अमोनिया, एसिटोन, टार आदि हानिकारक केमिकल पाए जाते हैं, इसके सेवन से कैंसर, हृदय रोग, आंखों की बीमारी, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, कार्डियो बेस्कुलर, पेट की बीमारी, चेहरे की झुरियां सहित अन्य रोग एवं दुष्प्रभाव पैदा होते हैं, इस मौके पर उन्होने तम्बाकू छोड़ने के छोटे–छोटे घरेलू उपाय के साथ ही तम्बाकू छोड़ने के फायदों से अवगत कराया।

अधिकारी कर्मचारियों द्वारा ली गई तम्बाकू निषेध की शपथ– कार्यशाला के दौरान उपस्थित समस्त अधिकारी कर्मचारियों द्वारा तम्बाकू उत्पादों का सेवन न करने की शपथ ली गई। अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा ने अधिकारी कर्मचारियों को शपथ दिलाई, शपथ ग्रहण करते हुए अधिकारी कर्मचारियों ने कहा कि विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर यह संकल्प लेते हैं कि कभी भी धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करेंगे एवं अपने परिजनों एवं परिचितों को भी धूम्रपान व अन्य तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे, अपने कार्यालय परिसर को तम्बाकू मुक्त रखेंगे और अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।